

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

भारत का स्पेस स्टार्टअप सेक्टर नई उड़ान को तैयार

पीएम मोदी बोले- दुनिया का टैलेंट भारत की ओर खींचना है

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप की बढ़ती भागीदारी ने देश के स्पेस सेक्टर को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप के प्रमुखों के साथ संवाद के दौरान कहा कि भारत को ऐसा माहौल तैयार करना चाहिए कि दुनिया के प्रतिभाशाली लोगों को लगे कि यदि उन्हें अपने करियर और जिंदगी में बड़ी उपलब्धि हासिल करनी है तो भारत आना चाहिए और यहां के स्टार्टअप या स्पेस एजेंसी से जुड़ना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की कम लागत, प्रतिभाशाली मानव संसाधन और जोखिम उठाने की क्षमता देश को वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारत में ऐसा वातावरण बनना चाहिए जहां दुनिया भर का टैलेंट आकर्षित हो और देश की ताकत बने। प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान स्पेस टेक कंपनियों के प्रमुखों ने अपने नए प्रयोगों, रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट तकनीक, अंतरिक्ष में ईंधन भरने, मृत उपग्रहों को हटाने और अंतरिक्ष में फार्मास्यूटिकल निर्माण जैसी योजनाओं की जानकारी दी।

स्पेस टेक कंपनी बनी यूनिफॉर्म

एक स्पेस टेक कंपनी के सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनकी कंपनी भारत की पहली स्पेस टेक यूनिफॉर्म बनी है। उन्होंने बताया कि जुलाई में भारत के पहले निजी रॉकेट ने सफलतापूर्वक सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में पहुंचाया। कंपनी ने

इसे अपनी शुरुआत बताते हुए कहा कि आने वाले समय में वह लॉन्च की संख्या तेजी से बढ़ाने की तैयारी कर रही है। सीईओ ने बताया कि कंपनी के पास तीन फैक्ट्रियां तैयार हो चुकी हैं और फिलहाल एक महीने में एक रॉकेट बनाने की क्षमता विकसित की जा चुकी है। भविष्य में कंपनी का लक्ष्य सप्ताह में एक लॉन्च और आगे चलकर एक दिन में कई लॉन्च करने का है। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि उनकी कंपनी ने एक अत्याधुनिक इंजन भी तैयार किया है और फिलहाल उसकी टेस्टिंग चल रही है। प्रधानमंत्री ने जब निवेशकों के भरोसे को लेकर सवाल किया तो सीईओ ने बताया कि पहले सफल लॉन्च के बाद निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

स्पेस सेक्टर खुलने का फायदा

प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या सफल लॉन्च के बाद कंपनी को निवेश और कारोबार में फायदा मिल रहा है। सीईओ ने कहा कि पहला सफल लॉन्च कंपनी के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा और इसके बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत



में स्पेस सेक्टर के खुलने के बाद एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। अमेरिका और यूरोप में काम कर रहे कई भारतीय नागरिक अब वापस भारत आकर स्पेस सेक्टर में काम करना चाहते हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को ऐसा माहौल तैयार करना चाहिए कि दुनियाभर के प्रतिभाशाली लोगों को भारत आकर्षित करे। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन में बड़ी उपलब्धि हासिल करना चाहता है

तो उसे भारत आकर किसी भारतीय स्टार्टअप या स्पेस एजेंसी से जुड़ने की प्रेरणा मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास इतना बड़ा टैलेंट पूल है कि उसे वैश्विक स्तर पर आकर्षित करके देश की बड़ी ताकत बनाया जा सकता है। उन्होंने इसे भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश और जोखिम लेने का भरोसा

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास यह रहा है कि जो नीतिगत निर्णय लिए जाएं, उनमें निरंतरता बनी रहे। इससे उन लोगों में भरोसा पैदा

होता है जो नए क्षेत्रों में निवेश और जोखिम लेने के लिए आगे आते हैं।

उन्होंने कहा कि यदि कोई उद्यमी नया प्रयोग करता है और उसमें किसी कारण से गलती हो जाती है तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि सरकार उसका साथ नहीं छोड़ेगी। प्रधानमंत्री के अनुसार इसी विश्वास के कारण नए क्षेत्रों में निवेश करने वालों को आगे बढ़ने का साहस मिलता है। स्पेस सेक्टर में निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी को इसी बदलाव का हिस्सा माना जा रहा है। रॉकेट निर्माण से लेकर सैटेलाइट, अंतरिक्ष परिवहन और दूसरी तकनीकों तक भारतीय कंपनियां नए प्रयोग कर रही हैं। एक अन्य स्पेस स्टार्टअप के सीईओ ने बताया कि कंपनी अगले 18 महीनों में ग्लोबल ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी सैटेलाइट से जुड़ी ऐसी तकनीक पर काम कर रही है, जो अंतरिक्ष में सैटेलाइट को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि उनके बनाए इंजन सैटेलाइट्स को कई वर्षों तक अंतरिक्ष में उनकी जरूरत के अनुसार स्थानांतरित करने में सक्षम होंगे। कंपनी को अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और भारतीय कंपनियों को विदेशों में तकनीक और उत्पाद निर्यात करने के लिए सरकारी समर्थन मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लागत के मामले में बेहद प्रतिस्पर्धी है। देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और भारतीयों में जोखिम उठाने की क्षमता भी मजबूत है। इन सभी क्षमताओं के कारण भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह बना सकता है।

महिला आरक्षण पर फडणवीस का राहुल गांधी पर हमला, बोले- मंच पर अधिकारों की बात, बिल पर विरोध

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर महिला अधिकारों के मुद्दे को लेकर निशाना साधा है। पुणे में राहुल गांधी द्वारा दिए गए वक्तव्य पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी मंच से महिलाओं के अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन जब महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया जाता है, तब उसका विरोध करते हैं। फडणवीस ने यह टिप्पणी रविवार को नागपुर में आयोजित 'मंथन 4 युवा' कार्यक्रम के समापन समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अधिकार देने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक महिला आरक्षण विधेयक है, लेकिन राहुल



गांधी और उनकी पार्टी ने इसका विरोध किया और इसके खिलाफ मतदान किया। मुख्यमंत्री ने अपने बयान के जरिए कांग्रेस की महिला अधिकारों को लेकर नीति पर सवाल उठाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि केवल मंच से महिला अधिकारों की बात करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जब महिलाओं को वास्तविक राजनीतिक अधिकार देने की बात हो तो उस समय भी समर्थन दिखाई देना चाहिए।

डोभाल आज सोमवार को बीजिंग पहुंचेंगे,

सीमा विवाद पर होगी अहम वार्ता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सोमवार को बीजिंग पहुंचेंगे, जहां भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की 25वीं दौर की वार्ता होगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार डोभाल मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री और भारत-चीन सीमा वार्ता के विशेष प्रतिनिधि वांग यी के साथ बातचीत करेंगे। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है, जब दोनों देश वर्ष 2020 के सैन्य गतिरोध के बाद संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। अगस्त की शुरुआत में दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा मामलों पर बातचीत में आगामी वार्ता की



तैयारियों के साथ सीमा प्रबंधन, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और भविष्य की व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा की थी।

पिछली विशेष प्रतिनिधि वार्ता में दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और सीमा निर्धारण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई थी। अब 25वें दौर में इन सहमतियों को जमीन पर लागू करने और लंबित सीमा मुद्दों पर आगे बढ़ने की दिशा में चर्चा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी अहम है क्योंकि सीमा पर स्थिरता भारत-चीन संबंधों में व्यापक सुधार की बुनियादी शर्त बनी हुई है। दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाने की कोशिशों के बावजूद सीमा विवाद अब भी सबसे संवेदनशील मुद्दा है।

खनियांधाना की बेटी ने किया कमाल, MP की टॉप-10 में 9वां स्थान; पिछोर में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह में मिला गोल्ड मेडल

अतुल जैन

खनियांधाना। छत्रसाल स्टेडियम पिछोर में रविवार को 'मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा प्रतिभा सम्मान समारोह-2026' आयोजित किया गया। पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य समारोह में क्षेत्र के हजारों मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री भैया साहब लोधी रहे। वहीं केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

(खनियांधाना की बेटी

स्मृति पांडे बनीं समारोह का आकर्षण)

समारोह का मुख्य आकर्षण खनियांधाना की मेधावी बेटी स्मृति पांडे रहीं, जिन्होंने कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में मध्यप्रदेश की टॉप-10 सूची में 9वां स्थान हासिल कर खनियांधाना और पूरे शिवपुरी जिले का नाम



रोशन किया। स्मृति पांडे को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए मंच से स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सनराइज एजुकेशन एकेडमी खनियांधाना के शिक्षक सतीश रजक तथा उनके माता-पिता को भी स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर सनराइज स्कूल खनियांधाना को शिक्षा प्रोत्साहन के लिए राज्य मद निधि से 25 लाख रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया। यह सम्मान न केवल स्मृति की उपलब्धि को रेखांकित करता है, बल्कि उनके परिवार और शिक्षकों के योगदान को भी सम्मान देने वाला रहा।



(अंजलि गुप्ता को भी मिला स्वर्ण पदक)

समारोह में शिवपुरी जिले में टॉप करने वाली पिछोर की छात्रा अंजलि गुप्ता को भी उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। अंजलि के साथ उनके माता-पिता को भी स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

(300 विद्यार्थियों को रजत, 4000 को कांस्य पदक)

प्रतिभा सम्मान समारोह में पिछोर विधानसभा क्षेत्र के कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले करीब 300 छात्र-छात्राओं को रजत पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया वहीं शिक्षा के

क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ए-ग्रेड से उत्तीर्ण करीब 4000 छात्र-छात्राओं को कांस्य पदक एवं सम्मान पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

(प्रतिभाओं के साथ शिक्षकों और अभिभावकों का भी सम्मान)

समारोह का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान करना ही नहीं, बल्कि उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले माता-पिता और शिक्षकों के योगदान को भी सम्मान देना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। पिछोर के छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित यह भव्य समारोह क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए उत्साह और प्रेरणा का बड़ा अवसर बना। हजारों प्रतिभाओं का सम्मान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

11 हजार सिद्ध रुद्राक्षों के निःशुल्क वितरण के साथ निकली भव्य धार्मिक शोभायात्रा

राजेश धाकड़

इंदौर। मुसाखेड़ी क्षेत्र में सत्य सनातन धर्म की पदयात्रा एवं भव्य धार्मिक शोभायात्रा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। मुसाखेड़ी स्थित हनुमान मंदिर से निज आश्रम तक निकली इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। शोभायात्रा के दौरान पूरे मार्ग में धार्मिक जयघोष, भक्ति गीतों और आध्यात्मिक नारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

शोभायात्रा का नेतृत्व श्री राजेश दुबे जी महाराज ने किया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को 11 हजार सिद्ध रुद्राक्षों का निःशुल्क वितरण किया गया। आयोजन समिति के अनुसार, रुद्राक्ष वितरण का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था से जोड़ना तथा आध्यात्मिक चेतना का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था।

11 हजार रुद्राक्षों से निर्मित शिवलिंग रहा आकर्षण का केंद्र-धार्मिक शोभायात्रा में 11 हजार रुद्राक्षों से निर्मित शिवलिंग श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। विशाल एवं आकर्षक रुद्राक्ष शिवलिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आयोजन की भव्यता को सराहा। इस दौरान पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक और धार्मिक वातावरण देखने को मिला।



सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता का संदेश

आयोजकों ने बताया कि सत्य सनातन धर्म की पदयात्रा का उद्देश्य समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करना है। पदयात्रा के माध्यम से सनातन परंपराओं, भारतीय संस्कृति और धार्मिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित श्रद्धालु पदयात्रा में शामिल हुए। इस धार्मिक आयोजन का आयोजन महादेवी दिव्य धाम सेवा समिति, मुसाखेड़ी, इंदौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पीठाधीश्वर पंडित

राजेश शास्त्री जी महाराज की विशेष उपस्थिति रही। इसके अलावा परम पूज्य दादू महाराज जी, वरिष्ठ नेता रामदास गर्ग जी, रजत पंडित, रामनिवास शर्मा जी, कृष्णकांत दुबे और प्रीति बाथम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। शोभायात्रा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक आयोजन में सहभागिता कर सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए समिति के कार्यकर्ताओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।



इंदौर में बन रही मास्टर प्लान की रोड पर बड़ा हादसा टला शंकरगंज महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिंसी चौराहे के बीच बन रही सड़क निर्माण के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी का डंपर पलटा सड़क के दोनों ओर ड्रेनेज लाइन के लिए खोदी गई थी नालियां नाली से बचकर आगे बढ़ने के दौरान अन बैलेंस हुआ डम्पर डम्पर पलटने से क्लीनर और ड्राइवर को आई मामूली चोट।

पुण्यतिथि पर सेवा कार्यों की बयार, पुत्र आशीष सचान ने किया वृक्षारोपण एवं अन्न वितरण, बर्रा के स्मृति पैलेस में उमड़ा जनसैलाब

पिता की पुण्यतिथि पर अगले वर्ष से कराया जाएगा 11 कन्याओं का विवाह। आशीष सचान

कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आशीष सचान के द्वारा अपने पूज्य पिता स्व श्रीप्रकाश सचान की पुण्यतिथि के अवसर पर विभिन्न सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वृक्षारोपण एवं निर्धन असहाय समाज के लिए खाद्य सामग्री वितरित की गई। आयोजन बर्रा स्थित स्मृति पैलेस में किया गया जहां सैकड़ों की तादाद में आए लोगों ने स्व श्रीप्रकाश सचान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा नमन किया। पूरे परिसर में श्रीप्रकाश अमर रहें के जयकारे गूंजते रहे। अंत में आए हुए सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। जिलाध्यक्ष आशीष सचान ने बताया कि स्व श्रीप्रकाश सचान केवल एक नाम नहीं बल्कि समाज सेवा की एक विचारधारा थे। वे आजीवन निर्बल, असहाय एवं वंचित समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहे।

उन्होंने अपने जीवन काल में मानवता को ही सबसे बड़ा धर्म माना। वे कई सामाजिक संगठनों के प्रमुख संरक्षक रहे और उनके मार्गदर्शन में हजारों युवाओं को रोजगार मिला। उनका दरवाजा हमेशा जरूरतमंदों के लिए खुला रहता था। उनके लिए सेवा ही पूजा थी। इस मौके पर उनके छोटे भाई पूर्व पार्षद जितेंद्र सचान ने भावुक होते हुए बताया कि बड़े भाई स्व श्रीप्रकाश सचान सच्चे अर्थों में समाजसेवी थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन काल में हमेशा ही निर्बल असहाय समाज के उत्थान की दिशा में कार्य किया। उन्होंने कभी जात-पात नहीं देखा, जो भी उनके पास मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी मदद की। उनके आदर्श आज भी हमारे लिए प्रेरणा हैं। उनका सपना था कि कोई भी गरीब भूखा न सोए, उसी सपने को आज हमारे परिवार के बच्चे आगे बढ़ा रहे हैं। अपने पिता को याद करते हुए पुत्र आशीष सचान ने कहा कि मेरे पिता स्व श्रीप्रकाश सचान मेरे लिए केवल पिता

नहीं बल्कि मेरे गुरु और मेरे आदर्श थे। वे कई संगठनों के प्रमुख संरक्षक रहे, उन्होंने अपने जीवन काल में हजारों लोगों को रोजगार दिलाया तथा हमेशा ही मदद के लिए उनके हाथ आगे बढ़े रहते थे। उन्होंने हमें सिखाया कि व्यापार के साथ-साथ समाज की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। आज उन्हीं के दिखाए मार्ग पर चलते हुए हमने उनकी पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण और अन्न वितरण का संकल्प लिया है। हम हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि को सेवा दिवस के रूप में मनाते रहेंगे। तथा अगले वर्ष से 11 कन्याओं का सामूहिक विवाह भी कराया जाएगा। इस मौके

पर जीतेन्द्र सचान जिला उपाध्यक्ष अभिनव जी महाराज अरविन्द सचान अध्यक्ष जिला सरदार सेना रामप्रकाश शुक्ला डॉ आर सी शर्मा राम यश उत्तम विनीत सिंह भदौरिया पंकज शुक्ला बृजेन्द्र स्वरूप सचान दीपक शर्मा नितिन श्रीवास्तव



हिमांशु सैनी शोभित त्रिपाठी अनुज बाजपेई मनोज यादव एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारी, क्षेत्रीय पार्षद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बारिश ने खोली करैरा नगर परिषद के नाला-नालियों की पोल, सड़क से ऊंचा नाला बना घरों में जलभराव का सबब

हेमंत भार्गव

करैरा। रविवार शाम करीब 4 बजे हुई मूसलाधार बारिश ने करैरा नगर परिषद की नाली, नाले और सड़क निर्माण व्यवस्था की कथित खामियों की पोल खोल दी। नगर के प्रमुख वार्डों में देखते ही देखते जलभराव के हालात बन गए। वार्ड क्रमांक 9, जिसे नगर पालिका अध्यक्ष का वार्ड बताया जा रहा है, में बारिश का पानी नालियों से निकलने के बजाय सड़कों और घरों में पहुंच गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और लाखों रुपये के नुकसान की बात सामने आ रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बारिश के दौरान हर वर्ष करैरा के कई वार्डों में जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। नागरिकों का कहना है कि सड़क, नाली और नाले निर्माण में निर्धारित लेवल, ढाल और तकनीकी मानकों का समुचित पालन नहीं होने के कारण बारिश का पानी निकासी के बजाय आबादी की ओर मुड़ जाता है। वार्ड क्रमांक 9 और ज्ञानदीप स्कूल के पास बने नाले पर भी सवाल उठ रहे हैं। रहवासियों के अनुसार नाला मुख्य सड़क के लेवल से करीब एक फुट ऊंचा होने के कारण तेज बारिश में पानी घरों की ओर जाने लगता है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण से पहले उचित तकनीकी सर्वे, लेवल और जल निकासी की व्यवस्था



सुनिश्चित की जाती तो शायद ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती।

अब सवाल यह है कि जब नालियां पानी निकालने के लिए बनाई गई हैं तो बारिश आते ही वही नालियां जलभराव का कारण क्यों बन रही हैं? क्या नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों और इंजीनियरों ने निर्माण से पहले मौके की भौगोलिक स्थिति और पानी के प्राकृतिक बहाव का आकलन किया था? बारिश

ने एक बार फिर करैरा नगर की नाली-नाला और सड़क निर्माण व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। जरूरत है कि नगर परिषद पूरे मामले की तकनीकी जांच कराए और जहां निर्माण में खामियां हैं, वहां तत्काल सुधार कराए, ताकि आगामी बारिश में आम नागरिकों को जलभराव और आर्थिक नुकसान का सामना न करना पड़े।

इंदिरा नगर में पानी की टंकी हटाने को लेकर विवाद, युवक गंभीर

इंदौर। इंदिरा नगर की झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र स्थित झाड़ू वाली गली में पानी की टंकी को लेकर हुए विवाद में युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार, धीरेंद्र उर्फ सुदीप



कैथवास अपने घर के सामने गाड़ी मोड़ रहे थे। रास्ते में संगीता राठौर और शारदा राठौर के घर की पानी की टंकी कई दिनों से रखी थी, जिससे वाहन निकालने में परेशानी हो रही थी। टंकी हटाने की बात कहने पर विवाद हो गया। आरोप है कि इसी दौरान सुदीप कैथवास के साथ संगीता राठौर और उनकी मां ने मोगरी से सिर पर हमला किया। घटना के करीब पांच-छह दिन बाद सुदीप

की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां सिर में चोट की बात सामने आई। वर्तमान में सुदीप की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें अरविंदो अस्पताल के न्यूरो ICU में भर्ती किया गया है। परिजनों के मुताबिक सिर में ब्लड क्लॉट होने के कारण वह किसी को पहचान नहीं पा रहे हैं और उन्हें झटके भी आ रहे हैं। मामले को लेकर आज परिजनों ने मल्हारगंज थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

सहज योग ध्यान: संतुलित जीवन का सहज मार्ग

मनुष्य का जीवन समस्याओं से अछूता नहीं है। किसी को शारीरिक कठिनाइयाँ परेशान करती हैं, तो कोई मानसिक तनाव से जूझता है और किसी के जीवन में आर्थिक अभाव चुनौती बनकर सामने आता है। बीमारी, बुढ़ापा, निर्बलता, सम्मान को लगी ठेस, पारिवारिक परिस्थितियाँ अथवा विरोध-जीवन में किसी न किसी रूप में समस्याएँ बनी रहती हैं। लौकिक जीवन में तन, मन और धन को सुख के प्रमुख आधार माना जाता है। शरीर स्वस्थ हो, मन प्रसन्न हो और जीवन में आवश्यक संसाधनों का अभाव न हो, तो व्यक्ति स्वयं को सुखी अनुभव करता है। लेकिन इन परिस्थितियों से मिलने वाला सुख स्थायी नहीं होता। परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं और हमारी सोच भी अनेक प्रकार की चिंताओं एवं समस्याओं को जन्म देती है। ऐसे में स्थायी शांति और संतुलन की खोज आवश्यक हो जाती है। सहज योग ध्यान इसी आंतरिक संतुलन और आत्मिक उत्थान का सहज मार्ग माना जाता है। कुंडलिनी जागरण के माध्यम से आत्मज्ञान प्राप्त कर साधक धीरे-धीरे संतुलित अवस्था की ओर बढ़ता है। वह न तो भविष्य की अनावश्यक चिंता में उलझता है और न ही अतीत की घटनाओं से स्वयं को लगातार प्रताड़ित करता है। वर्तमान में रहते हुए संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने की क्षमता विकसित होती है।

सहज योग ध्यान की विशेषता इसकी सरलता है। इसे सीखना आसान है और सहज योग ध्यान केंद्रों के द्वार सभी साधकों के लिए खुले रहते हैं।



नियमित ध्यान से व्यक्ति की सोच में सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है। हृदय चक्र के संतुलन से स्वभाव में सरलता, शांति और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। यह परिवर्तन केवल बाहरी व्यवहार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यक्ति के आंतरिक व्यक्तित्व को भी प्रभावित करता है। जब मन शांत और संयमित होता है, तब किसी भी परिस्थिति को अधिक स्पष्टता से समझने और उसके उचित समाधान की दिशा में आगे बढ़ने की क्षमता विकसित होती है। व्यक्ति समस्याओं में उलझने के बजाय उन्हें सहजता से स्वीकार कर समाधान की ओर बढ़ना सीखता है। आत्मोत्थान के बाद की प्रार्थना भी

व्यक्ति को एक नई अनुभूति प्रदान करती है। चैतन्य की अनुभूति के साथ व्यक्ति समाधान की निरंतर चिंता करने के बजाय संतोष और विश्वास की अवस्था में रहने लगता है। ध्यान के अभ्यास से विकसित आत्मविश्वास, सरलता और शांत प्रकृति व्यक्ति को प्रभावी बनाती है। इसका सकारात्मक प्रभाव उसके व्यक्तित्व, पारिवारिक और सामाजिक जीवन में स्पष्ट दिखाई देता है। हृदय चक्र से विकसित आत्मविश्वास के कारण व्यक्ति अपनी बात शांतिपूर्वक और प्रभावी ढंग से रखने में सक्षम होता है। संतों ने इसी आंतरिक स्थिति को आनंद की अवस्था कहा है।

सहज योग की प्रणेता एवं परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी का संदेश है-“निर्विचार अवस्था में जो भी घटित होता है, वह प्रबुद्ध और प्रकाशमान होता है।” आज के तनावपूर्ण और तेजी से बदलते जीवन में सहज योग ध्यान व्यक्ति को स्वयं के भीतर झाँकने, मन को शांत करने और जीवन में संतुलन स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। आत्मसाक्षात्कार के इस सहज मार्ग से जुड़कर हम बाहरी परिस्थितियों को बदलने के साथ-साथ अपनी आंतरिक दृष्टि को भी विकसित कर सकते हैं। यदि आप भी आत्मिक शांति, संतुलन और आनंद की इस यात्रा से जुड़ना चाहते हैं, तो अपने नजदीकी सहज योग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा वेबसाइट sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निःशुल्क है।

सोचो... भगवान क्या चाहता है?

सब कहते हैं—

हमें भगवान से बहुत प्यार है,
कोई मंदिर में उसे ढूँढता है,
कोई मस्जिद में सिर झुकाता है,
कोई गुरुद्वारे में अरदास करता है,
कोई गिरजाघर में प्रार्थना करता है।

पर एक सवाल दिल से पूछो—
अगर भगवान से इतना प्यार है,
तो इंसान, इंसान से नफरत क्यों करता है?

जिस भगवान ने सबको बनाया,
उसने कहाँ किसी में फर्क बताया?
किसी को हिंदू, किसी को मुस्लिम,
किसी को अमीर, किसी को गरीब—
ये दीवारें तो हमने बनाई हैं,
भगवान ने तो बस इंसान बनाया है।

हम भगवान को फूल चढ़ाते हैं,
पर इंसानों के रास्तों में काँटे बिछाते हैं।
भगवान के आगे हाथ जोड़ते हैं,
और बाहर आकर किसी का दिल तोड़ते हैं।

पत्थर की मूर्ति में भगवान दिख जाता है,
फिर रोते हुए इंसान में क्यों नहीं?
मंदिर की घंटी सुनाई देती है,
पर किसी भूखे की आवाज़ क्यों नहीं?

कभी ये मत सोचो
कि तुम भगवान से क्या चाहते हो,
एक दिन बैठकर ये भी सोचो—
भगवान तुमसे क्या चाहता है?

शायद वह चाहता है—
किसी भूखे को रोटी दे दो,
किसी रोते हुए को हँसा दो,
किसी गिरे हुए को उठा दो,
किसी अकेले का हाथ थाम लो,
और हो सके तो
अपने दिल से नफरत मिटा दो।

क्योंकि भगवान तक पहुँचने का
सबसे छोटा रास्ता शायद
किसी धर्मस्थल से नहीं,
किसी इंसान के दिल से होकर जाता है।

जिस दिन इंसान को
इंसान से प्यार हो जाएगा,
शायद उस दिन भगवान भी मुस्कराकर
कहेगा—
“अब तुम समझे...।
मैं तुमसे क्या चाहता था।”

कवि गोपाल गावंडे



थाना कोतवाली झाबुआ पुलिस की बड़ी कार्यवाही

झाबुआ पुलिस का जुए के विरुद्ध बड़ा प्रहार: दो अलग-अलग स्थानों से कुल 06 आरोपी गिरफ्तार, 10,700 नगद व 03 मोबाइल जप्त

सलीम हसैन

पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेंद्र पाटीदार द्वारा जिले में जुआ, सट्टा एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रतिपाल सिंह महोबिया एवं एसडीओपी झाबुआ कमलेश शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक आर सी भास्करे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दो पृथक-पृथक स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। प्रथम कार्यवाही (किशनपुरी सब्जी मंडी) दिनांक 22.08.2026 को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि सब्जी मंडी किशनपुरी झाबुआ में चार व्यक्ति ताश के पत्तों पर अवैध रूप से हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर चारों व्यक्तियों को मौके पर पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी

- सदाम पिता मोहम्मद बागवान, उम्र 32 साल, निवासी कालिदास मार्ग, झाबुआ।
- शहजाद पिता अब्दुल मजीद बागवान, उम्र 34 साल, निवासी कालिदास मार्ग, झाबुआ।
- आविद उर्फ अज्जू पिता अब्दुल अजीज बागवान, उम्र 28 साल, निवासी कालिदास मार्ग,



झाबुआ।

4. तबरेज पिता फारुख गनी, उम्र 31 साल, निवासी सुभाष मार्ग, झाबुआ। जप्त मशरूका: 1,700 नगद एवं ताश के पत्ते।

वैधानिक कार्यवाही: अपराध क्रमांक 781/2026 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत पंजीबद्ध। द्वितीय कार्यवाही (ग्राम रंगपुरा) को पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना पर ग्राम रंगपुरा में एक खेत में दबिश दी गई, जहाँ कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर अवैध रूप से जुआ खेल रहे थे। पुलिस घेराबंदी में 02 आरोपियों को मौके पर पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी

- नितेश पिता श्यामसिंह सोलंकी, उम्र 42

साल, निवासी हुडा मोहल्ला, झाबुआ।

2. शकील पिता गम्फार खान, उम्र 35 साल, निवासी मारुति नगर, झाबुआ।

जप्त मशरूका

9,000 नगद, 03 मोबाइल फोन, ताश के पत्ते।

वैधानिक कार्यवाही

अपराध क्रमांक 780/2026 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज। इस प्रकार दोनों कार्यवाहियों में कुल 06 आरोपी गिरफ्तार, 10,700 नगद व 03 मोबाइल जप्त किए गये। जिले में जुआ, सट्टा, अवैध गतिविधियों के विरुद्ध झाबुआ पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

बच्चों की प्रतिभा को मिला सम्मान, 65 नन्हे सितारों को पत्रकारों ने दिया प्रोत्साहन

अतुल जैन

(स्वतंत्रता दिवस पर शासकीय माध्यमिक विद्यालय बामौरकला में अनूठी पहल, पत्रकारों व विद्यालय स्टाफ ने बढ़ाया बच्चों का हौसला)

बामौरकला। स्वतंत्रता दिवस का मंच... देशभक्ति का जुनून... और अपनी प्रतिभा से सबका मन मोह लेने वाले नन्हे-मुन्हे बच्चे। शासकीय माध्यमिक विद्यालय बामौरकला में स्वतंत्रता दिवस समारोह उस समय और खास बन गया, जब बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों से प्रभावित होकर क्षेत्र के पत्रकारों एवं विद्यालय स्टाफ ने सभी 65 प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार देकर उनकी प्रतिभा को सम्मानित किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक एवं विभिन्न रचनात्मक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में समां बांध दिया। बच्चों के उत्साह, आत्मविश्वास और प्रतिभा को देखते हुए पत्रकार सुरेश शर्मा, अतुल जैन, रमेश जाटव एवं विवेक कटारे ने सभी 65 प्रतिभागी बच्चों को पेन, कॉपी, ड्राइंग बुक, कलर्स सहित अन्य उपयोगी शैक्षणिक सामग्री भेंट की।

(पुरस्कार मिलते ही खिल उठे बच्चों के चेहरे)

सम्मान और पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। किसी के चेहरे पर मुस्कान थी तो कोई अपने पुरस्कार को उत्साह



के साथ संभालता नजर आया। यह पल बच्चों के लिए केवल पुरस्कार पाने का नहीं, बल्कि उनकी मेहनत और प्रतिभा को पहचान मिलने का भी रहा। वहीं विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ की ओर से सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को पानी की बोतलें भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस पहल ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को बच्चों के लिए और भी यादगार बना दिया।

(प्रतिभा को प्रोत्साहन देने की पहल बनी चर्चा का विषय)

कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने पत्रकारों और विद्यालय स्टाफ की इस पहल

की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को मंच देने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को सम्मानित करना उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देता है। छोटी उम्र में मिलने वाला ऐसा प्रोत्साहन बच्चों को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने और शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर CAC अनिल शर्मा, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में बच्चों की प्रतिभा को मिला यह सम्मान पूरे आयोजन का एक यादगार और प्रेरणादायी क्षण बन गया।

नि, संतान दंपति को होती है संतान की प्राप्ति बाबा का चमत्कार

मनोहर पाटीदार



तहसील मुख्यालय से महास 17 किलोमीटर दूरी पर स्थित है बाबा बिल्केश्वर धाम का मंदिर जहां श्रवण के इस पवित्र मास में हवन पूजन के उपरांत बाबा की प्रसादी के रूप में खीर का वितरण किया जाता है और उसे खीर प्रसादी को जो भी नि संतान दंपति ग्रहण करता है उन्हें एक वर्ष में संतान की प्राप्ति हो जाती है और वही उसे उपरांत दंपति अपने परिवार सहित बाबा बिल्केश्वर धाम के मंदिर पर आकर हवन पूजन प्रतिष्ठा कर प्राप्त संतान को तुलादान कर प्रसादी का वितरण करती है ऐसा माना जाता है कि जो भी दंपति भगवान भोलेनाथ के शरण में आकर प्रसादी ग्रहण करता है निश्चित ही उनके दामन में खुशियों के फूल खिलते हैं।

200 करोड़ से अधिक की कथित वित्तीय गड़बड़ी में जांच तेज, सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

राजेश धाकड़

ईओडब्ल्यू की एफआईआर बरकरार; ईडी की छापेमारी में 3.97 करोड़ नकद और करीब 3.45 करोड़ रुपये का सोना बरामद होने की जानकारी, ऑडिट रिपोर्ट में भी कई गंभीर सवाल

भोपाल/इंदौर। एलएनसीटी ग्रुप और उससे जुड़े जय नारायण चौकसे सहित अन्य के खिलाफ 200 करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा 19 अगस्त 2026 को खारिज किए जाने के बाद अब जांच एजेंसियों के लिए मामले की आगे की जांच का रास्ता और स्पष्ट हो गया है। मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच कर रहा है। ईडी ने जून में संबंधित परिसरों पर कार्रवाई करते हुए करीब 3.97 करोड़ रुपये नकद और लगभग 3.45 करोड़ रुपये मूल्य का सोना एवं आभूषण जब्त किए थे। मामला श्री आस्था फाउंडेशन फॉर एजुकेशन सोसायटी से जुड़ा है। ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के बाद सामने आई वित्तीय जांच और ऑडिट रिपोर्ट में सोसायटी की राशि के कथित तौर पर संबंधित ट्रस्टों, कंपनियों और अन्य संस्थाओं में ट्रांसफर किए जाने सहित कई लेन-देन पर सवाल उठाए गए हैं। ईडी के अनुसार सोसायटी द्वारा संचालित शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थाओं से संबंधित धनराशि के कथित डायवर्जन की भी जांच की जा रही है।

12 ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई

मामले में 23 जून 2026 को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के तहत संबंधित परिसरों पर एक साथ तलाशी कार्रवाई

की थी। कार्रवाई के दौरान आवासीय परिसरों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, ट्रस्ट और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की तलाशी ली गई। जांच एजेंसी ने नकदी और सोने के अलावा वित्तीय दस्तावेज, संपत्ति से संबंधित कागजात, मोबाइल फोन, कंप्यूटर तथा अन्य डिजिटल उपकरणों और वित्तीय रिकॉर्ड को भी जांच के दायरे में लिया।

ऑडिट रिपोर्ट में लेन-देन पर उठे सवाल मामले से संबंधित ऑडिट रिपोर्ट में करीब 21.90 करोड़ रुपये के लेन-देन को लेकर सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट में करीब 5.52 करोड़ रुपये के खर्च के समर्थन में जरूरी बिल या प्रमाण उपलब्ध नहीं होने का उल्लेख किया गया है। इसी तरह निर्माण कार्यों से जुड़े करीब 24.65 करोड़ रुपये के बिलों पर संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने की बात भी सामने आई है। ऑडिट में संबंधित संस्थाओं के बीच लेन-देन के कारण करीब 8.22 करोड़ रुपये के संभावित नुकसान का भी उल्लेख किया गया है। जांच एजेंसियां अब इन लेन-देन का मिलान बैंक खातों, लेखा पुस्तकों और ईडी की तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों से कर रही हैं।

छात्रों की फीस और बैंक ऋण की राशि की भी जांच

जांच का एक अहम बिंदु छात्रों से मिलने वाली फीस, छात्रवृत्ति की रकम और संस्थाओं के नाम पर लिए गए बैंक ऋण की राशि का इस्तेमाल है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन मदों में प्राप्त राशि वास्तव में संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं पर खर्च हुई या फिर किसी अन्य संस्था, कंपनी अथवा ट्रस्ट में स्थानांतरित की गई। मामले में उपलब्ध वित्तीय रिपोर्टों में यह भी सवाल उठाया गया है कि कुछ बैंक खातों में बड़ी मात्रा में रकम जमा होने और निकाले जाने का सिलसिला चलता रहा, जबकि कई महत्वपूर्ण लेन-देन के पीछे जरूरी

दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

8.22 करोड़ रुपये की फीस ट्रांसफर का भी उल्लेख

ऑडिट से संबंधित रिपोर्टों में बस और हॉस्टल फीस से जुड़ी करीब 8.22 करोड़ रुपये की राशि के ट्रांसफर पर भी सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह राशि संबंधित संस्था से जुड़ी कंपनी को हस्तांतरित की गई। जांच एजेंसियां यह भी देख रही हैं कि इस भुगतान के बदले वास्तव में कितनी सेवाएं दी गईं और संबंधित वित्तीय लेन-देन का संस्थागत उद्देश्य क्या था। इसी तरह सोसायटी के नाम पर लिए गए बैंक ऋण की राशि के कथित तौर पर संबंधित ट्रस्ट या अन्य संस्थाओं की ओर जाने के मामलों की भी जांच की जा रही है। पूर्व में प्रकाशित रिपोर्टों में ऐसे कई लेन-देन का उल्लेख किया गया है।

पहले हाईकोर्ट, अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला

एफआईआर को चुनौती देने का मामला पहले मध्यप्रदेश हाईकोर्ट भी पहुंचा था। हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2025 में एफआईआर निरस्त करने से इनकार करते हुए बड़े वित्तीय लेन-देन और ऑडिट रिपोर्ट में सामने आई अनियमितताओं को गंभीरता से लिया था। अदालत ने ऐसे बड़े आर्थिक मामले की विस्तृत जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। इसके बाद एफआईआर को चुनौती देने की कोशिश सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। अब 19 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनौती वाली याचिका खारिज किए जाने के बाद जांच एजेंसियों के सामने वित्तीय लेन-देन की कड़ियों को जोड़ने का रास्ता खुला है।

संपत्तियों के लेन-देन पर भी न्यायिक निगरानी

इस मामले में आस्था फाउंडेशन की संपत्तियों

को लेकर भी न्यायिक स्तर पर निगरानी रही है। फरवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने सोसायटी की संपत्तियों के हस्तांतरण पर रोक लगाते हुए स्थिति यथावत रखने का निर्देश दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पक्षकारों से जवाब भी मांगे थे।

अब जांच का सबसे बड़ा सवाल पैसा आया कहां से और गया कहां?

मामले में जांच एजेंसियों के सामने सबसे अहम सवाल यही है कि 200 करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय गड़बड़ी में पैसा किन स्रोतों से आया, किन खातों में गया और उसका अंतिम इस्तेमाल किस उद्देश्य से हुआ। इसके लिए बैंक रिकॉर्ड, लेखा पुस्तकों, ऑडिट रिपोर्ट, डिजिटल दस्तावेजों और ईडी की कार्रवाई के दौरान मिले रिकॉर्ड का मिलान किया जा रहा है। ईडी ने भी अपनी जांच में संबंधित संस्थाओं से जुड़े धन के कथित डायवर्जन की बात कही है। एजेंसी के अनुसार छात्रवृत्ति और बैंक ऋण से जुड़ी राशि के संबंधित ट्रस्टों, कंपनियों तथा अन्य संस्थाओं में कथित स्थानांतरण की जांच की जा रही है।

जांच आगे बढ़ने के साथ बढ़ सकता है दायरा- ईओडब्ल्यू की एफआईआर और ईडी की पीएमएलए जांच के चलते अब यह मामला केवल एक संस्था के वित्तीय प्रबंधन तक सीमित नहीं रह गया है। जांच एजेंसियां संबंधित व्यक्तियों, संस्थाओं, ट्रस्टों, कंपनियों और बैंक खातों के बीच हुए लेन-देन की पूरी श्रृंखला खंगाल रही हैं। आने वाले समय में दस्तावेजी साक्ष्यों और वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना है। हालांकि, मामले में लगाए गए वित्तीय अनियमितताओं के आरोप अभी जांच के विषय हैं और अंतिम दोषसिद्धि सक्षम न्यायालय के निर्णय पर निर्भर करेगी।

बाबा घाट नदी में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, शिनाख्त में जुटी रंगनाथ नगर पुलिस

नवल किशोर

कटनी। रंगनाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबा घाट नदी में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना मिलते ही रंगनाथनगर थाना

पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शव करीब दो



से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का

बारीकी से निरीक्षण किया और शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग के नीचे पुलिया की मांग, वार्डवासियों ने प्रशासन से लगाई गुहार

महेंद्र मिश्रा

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की परेशानी को लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे सैकड़ों नागरिक — NHAI प्रोजेक्ट मैनेजर ने दिया रास्ता बनाने का भरोसा करै। नगर के वार्ड क्रमांक 14 में राष्ट्रीय राजमार्ग के राईन मार्केट की ओर रहने वाले सैकड़ों रहवासियों की आवाज अब प्रशासन के दरवाजे तक पहुंच गई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कारण वार्डवासियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजमार्ग पार करने के लिए उन्हें करीब दो किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को रोजमर्रा के आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी समस्या को लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में वार्डवासी, महिलाएं, बच्चे एवं समाजसेवी बाल गोविंद शिवहरे तथा वार्ड पार्षद दिनेश पाल के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचे।

उन्होंने एसडीएम अनुपम शर्मा को आवेदन सौंपते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नीचे से वार्डवासियों के सुगम आवागमन के लिए पुलिया अथवा सुरक्षित रास्ता बनाए जाने की मांग की। वार्डवासियों का कहना है कि यदि ओवरब्रिज के नीचे से पैदल एवं स्थानीय आवागमन के लिए रास्ता उपलब्ध नहीं कराया गया तो लोगों को रोजाना लंबा चक्कर लगाकर राजमार्ग पार करना पड़ेगा। इससे समय और श्रम की बर्बादी के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहेगी।

NHAI ने मौके पर दिया

आश्वासन

वार्डवासियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके पर उपस्थित NHAI के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रदीप भट्ट ने स्थल का निरीक्षण किया और नागरिकों को आश्वासन दिया कि उनकी आवागमन संबंधी समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने ओवरब्रिज निर्माण कार्य में लगे इंजीनियरों को निर्देशित करते हुए कहा कि वार्डवासियों के आवागमन के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नीचे से रास्ता उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए। NHAI अधिकारियों के आश्वासन के बाद वार्डवासियों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से चली आ रही आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान जल्द हो सकेगा।

बारिश में बढ़ा जलस्तर, सुरक्षा को लेकर निगम प्रशासन अलर्ट



घाटों पर कराई गई बैरिकेडिंग, पुलियों-नालों और रपटों से दूर रहने की निगमायुक्त ने की अपील

कटनी। लगातार हो रही बारिश के चलते नगर से होकर गुजरने वाली नदी एवं नालों में जलस्तर बढ़ गया है। बारिश के दौरान बढ़ते जलप्रवाह और संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील घाटों पर बैरिकेडिंग कराई गई है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नागरिकों से अपील की है कि सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए मोहन घाट, मसूरहा घाट एवं कटाए घाट में बैरिकेडिंग की गई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की

है कि बैरिकेडिंग पार कर घाटों अथवा नदी-नालों के समीप जाने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में पुलियों, नालों और रपटों को पार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। नागरिक जलस्तर सामान्य होने तक ऐसे स्थानों से दूरी बनाए रखें तथा बच्चों को भी नदी, नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास न जाने दें।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बारिश के दौरान थोड़ी सी असावधानी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए सावधानी बरतें, सुरक्षित रहें और जलस्तर कम होने तक जोखिम वाले स्थानों से पूरी तरह दूरी बनाए रखें।

बारिश में बढ़ा जलस्तर, सुरक्षा को लेकर निगम प्रशासन अलर्ट घाटों पर कराई गई बैरिकेडिंग, पुलियों-नालों और रपटों से दूर रहने की निगमायुक्त ने की अपील

नवल किशोर

कटनी। लगातार हो रही बारिश के चलते नगर से होकर गुजरने वाली नदी एवं नालों में जलस्तर बढ़ गया है। बारिश के दौरान बढ़ते जलप्रवाह और संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील घाटों पर बैरिकेडिंग कराई गई है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नागरिकों से अपील की है कि सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए मोहन घाट, मसूरहा घाट एवं कटाए घाट में बैरिकेडिंग की गई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि बैरिकेडिंग पार कर घाटों अथवा नदी-नालों के समीप जाने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में पुलियों, नालों और रपटों को पार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। नागरिक जलस्तर सामान्य होने तक ऐसे स्थानों से दूरी बनाए रखें तथा बच्चों को भी नदी, नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास न जाने दें। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बारिश के दौरान थोड़ी सी असावधानी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए सावधानी बरतें, सुरक्षित रहें और जलस्तर कम होने तक जोखिम वाले स्थानों से पूरी तरह दूरी बनाए रखें।

मरीजों से 10 फीट दूर अस्पताल में तेज संगीत पर डॉक्टरों का डांस, फेयरवेल पार्टी का वीडियो वायरल

धर। अस्पताल को मरीजों के इलाज, देखभाल और जीवन बचाने वाली जगह माना जाता है, लेकिन धर जिले के सरदारपुर सिविल अस्पताल से सामने आया एक मामला अस्पताल की व्यवस्था और जिम्मेदारी पर सवाल खड़े कर रहा है। अस्पताल परिसर के एक हॉल में डॉक्टरों और कर्मचारियों द्वारा फेयरवेल पार्टी आयोजित किए जाने की जानकारी सामने आई है। कार्यक्रम के दौरान तेज संगीत बजाया गया और डॉक्टर व अस्पताल स्टाफ डांस करते नजर आए। इस आयोजन को लेकर अब स्वास्थ्य विभाग ने जांच की बात कही है। बताया जा रहा है कि यह कार्यक्रम अस्पताल में पदस्थ एक डॉक्टर की विदाई के अवसर पर

आयोजित किया गया था। अस्पताल परिसर में ही हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉक्टरों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान तेज आवाज में संगीत बजने और स्टाफ के डांस करने की बात सामने आई है। मामले का वीडियो सामने आने के बाद यह आयोजन चर्चा में आ गया और अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। मरीजों से महज 10 फीट दूर था आयोजन स्थल इस मामले में सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि जिस हॉल में फेयरवेल पार्टी आयोजित की गई, उसके करीब 10 फीट की दूरी पर मरीज भर्ती थे। वहां मरीजों का उपचार चल रहा था। ऐसे में तेज संगीत और पार्टी के माहौल

को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को इलाज के दौरान शांत और अनुकूल वातावरण की आवश्यकता होती है। कई मरीज गंभीर बीमारी से जूझ रहे होते हैं और उन्हें आराम की जरूरत होती है। ऐसे में अस्पताल परिसर में तेज संगीत बजना और डांस जैसे आयोजन होना मरीजों और उनके परिजनों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की प्राथमिकता इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं होती हैं। इसलिए अस्पताल परिसर में किसी भी तरह के कार्यक्रम के आयोजन को लेकर नियमों और मरीजों की सुविधा का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।

गारंटी किस बात की?

हम हर चीज की गारंटी पूछते हैं,
दुकान पर जाते ही पहला सवाल करते हैं—
“ये कितने साल चलेगा?”
“इसकी वारंटी कितनी है?”
“खराब हुआ तो कौन जिम्मेदार होगा?”

पंखा खरीदें तो गारंटी,
टीवी खरीदें तो वारंटी,
गाड़ी लें तो सर्विस की चिंता,
मोबाइल लें तो उसकी उम्र पूछते हैं।
कुछ हजार की चीज खरीदने से पहले भी
दस बार सोचते हैं—
“आखिर ये चलेगी कब तक?”

लेकिन कितनी अजीब बात है...।

जिस जिंदगी से
हम ये सारी चीजें खरीद रहे हैं,
उस जिंदगी की कोई गारंटी नहीं।

जो हाथ आज सामान खरीद रहे हैं,
कल वही हाथ रहें—गारंटी नहीं।
जिस घर को सजाने में उम्र लगा रहे हैं,
उस घर में हम कब तक रहें—गारंटी नहीं।
जिन लोगों से आज नाराज बैठे हैं,
कल उन्हें मनाने का मौका मिले—गारंटी नहीं।

हम बैंक बैलेंस बढ़ाते रहे,
मकान बड़े बनाते रहे,
नई गाड़ियाँ खरीदते रहे,
भविष्य सुरक्षित करते रहे...।

और जिंदगी?

वह चुपचाप
हमारी मुट्ठी से रेत की तरह
हर दिन फिसलती रही।

हम कल के लिए
आज की खुशियाँ टालते रहे—
“अगले महीने घूमने जाएंगे...”
“अगली बार परिवार के साथ बैठेंगे...”
“फुर्सत मिली तो दोस्तों से मिलेंगे...”
“एक दिन आराम से जिंदगी जिएंगे...”

लेकिन उस “एक दिन” के आने की
गारंटी कौन देगा?

घड़ी की गारंटी मिल सकती है,
लेकिन उसमें चल रहे समय की नहीं।
गाड़ी की वारंटी मिल सकती है,
लेकिन उसमें बैठे इंसान की नहीं।
घर की मजबूती की गारंटी मिल सकती है,
लेकिन उसमें रहने वाले रिश्तों की नहीं।

इसलिए...

सामान की गारंटी जरूर लेना,
लेकिन जिंदगी को वारंटी के भरोसे मत छोड़ना।

जो अपने हैं, उन्हें आज ही गले लगा लेना,
जिससे नाराज हो, उसे आज ही मना लेना,
माँ-बाप के पास कुछ देर बैठ लेना,
बच्चों के साथ थोड़ा हँस लेना,
पुराने दोस्त को फोन कर लेना,
और जो सपना दिल में है—
उसे जीने की शुरुआत कर देना।

क्योंकि
सामान खराब हो जाए तो बदला जा सकता है,
पैसा चला जाए तो दोबारा कमाया जा सकता है,
लेकिन बीता हुआ एक पल...।
दुनिया की किसी दुकान में वापस नहीं मिलता।

हम पूरी जिंदगी
चीजों की गारंटी ढूँढते रह जाते हैं,
और भूल जाते हैं कि
जिस जिंदगी के लिए ये सारी चीजें हैं—
उस जिंदगी की तो अगले पल की भी गारंटी
नहीं।

**इसलिए जिंदगी को संभालकर नहीं...।

दिल खोलकर जियो।
क्योंकि “कल” एक उम्मीद है,
गारंटी नहीं।**

— गोपाल गांवडे



यमुना फ्लडप्लेन मामले में आर्ट ऑफ लिविंग को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने NGT का फैसला किया रद्द

नई दिल्ली। यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र यानी फ्लडप्लेन में वर्ष 2016 में आयोजित विश्व संस्कृति महोत्सव से जुड़े मामले में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के करीब नौ साल पुराने फैसले को रद्द कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि उपलब्ध रिकॉर्ड से यह साबित नहीं होता कि कार्यक्रम के कारण यमुना के बाढ़ क्षेत्र को हुए कथित नुकसान के लिए आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एन.के. सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में पर्याप्त सामग्री मौजूद है, जिससे यह पता चलता है कि जिस स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था, वह फाउंडेशन को सौंपे जाने से पहले ही खराब स्थिति में था।

अदालत ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों और रिकॉर्ड को देखने से यह स्पष्ट होता है कि यदि कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण को किसी तरह का नुकसान हुआ भी हो, तो उसके लिए अपीलकर्ता संस्था को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला वर्ष 2016 में आयोजित विश्व संस्कृति महोत्सव से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे विवाद में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस मामले को लेकर पर्यावरणीय नुकसान और यमुना के बाढ़ क्षेत्र की स्थिति को लेकर कई सवाल उठाए गए थे। मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने एक समिति की रिपोर्ट के आधार पर आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन पर पर्यावरणीय मुआवजा लगाने का आदेश दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले को रद्द कर दिया है।

9 साल पुराना NGT का फैसला रद्द
सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 7 दिसंबर 2017 को NGT की ओर से दिए गए आदेश को रद्द कर दिया। इसके साथ ही अपीलकर्ता के खिलाफ की गई सभी कार्रवाइयों और अंतरिम आदेशों को भी समाप्त कर दिया गया है। अदालत के इस निर्णय के बाद इस मामले में फाउंडेशन के खिलाफ NGT के आदेश के आधार पर की गई कार्रवाई का भी कोई आधार नहीं रह गया है। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता उस राशि को

वापस पाने का हकदार है, जो 9 मार्च 2016 के अधिकरण के आदेश के अनुपालन में दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी DDA के पास जमा कराई गई थी। अदालत ने DDA को निर्देश दिया कि वह 5 करोड़ रुपये की यह राशि फैसले की तारीख से चार सप्ताह के भीतर वापस करे। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के फैसले से आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन को न केवल कानूनी राहत मिली है, बल्कि करीब नौ वर्ष पुराने विवाद में जमा की गई बड़ी राशि भी वापस मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

2016 के विश्व संस्कृति महोत्सव से जुड़ा था मामला- यह पूरा विवाद मार्च 2016 में दिल्ली में यमुना नदी के किनारे आयोजित विश्व संस्कृति महोत्सव से जुड़ा हुआ है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया था। कार्यक्रम के लिए यमुना के बाढ़ क्षेत्र में बड़े स्तर पर तैयारियाँ की गई थीं। कार्यक्रम के बाद पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के आरोप सामने आए और यमुना के फ्लडप्लेन की स्थिति को लेकर विवाद शुरू हो गया। पर्यावरण से जुड़े लोगों और संगठनों की ओर से कार्यक्रम के आयोजन और इसके लिए तैयार किए गए स्थल को लेकर सवाल उठाए गए थे। आरोप था कि कार्यक्रम के लिए बाढ़ क्षेत्र में बड़े स्तर पर निर्माण और अन्य गतिविधियाँ की गईं, जिससे नदी के प्राकृतिक क्षेत्र को नुकसान पहुंचा।

इसी आधार पर मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सामने पहुंचा। NGT ने मामले की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट और उपलब्ध सामग्री के आधार पर आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन को पर्यावरणीय नुकसान के लिए जिम्मेदार माना था। अधिकरण ने संस्था को 5 करोड़ रुपये पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में जमा करने का आदेश दिया था। इसके बाद यह मामला न्यायिक प्रक्रिया में आगे बढ़ा और अंततः सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने रिकॉर्ड को माना अहम- सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान उपलब्ध रिकॉर्ड को महत्वपूर्ण माना। अदालत ने कहा कि कार्यक्रम स्थल की स्थिति को देखते हुए यह तय करना जरूरी है कि कथित पर्यावरणीय नुकसान के लिए वास्तव में कौन जिम्मेदार था।

कोतमा में आयकर की दस्तक: आदिवासी नामों पर जमीन और करोड़ों के लेनदेन की जांच, गोयनका से जुड़े चार कर्मचारियों से पूछताछ

अनूपपुर/कोतमा। कोतमा में बुधवार सुबह आयकर विभाग की कार्रवाई ने जमीन और वित्तीय लेनदेन को लेकर चल रही चर्चाओं को नया मोड़ दे दिया। भोपाल से पहुंची टीम ने पुलिस के सहयोग से कोतमा, गोहान्द्रा और पैरीचुआ क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई का केंद्र मनीष गोयनका से जुड़े मामलों में कथित बेनामी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल बताया जा रहा है।

आयकर विभाग ने हालांकि अभी कार्रवाई के पूरे कारण और जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए हैं। जांच के सिलसिले में चार युवकों—रोहित सोनी, बृजेंद्र मिश्रा, संगत पांव और कोमल पांव—को पूछताछ के लिए जनपद पंचायत परिसर स्थित बीआरसी भवन ले जाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक कई घंटे तक पूछताछ चली और प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई।

सबसे बड़ा सवाल संगत पांव के नाम दर्ज जमीन और उसके बैंक खाते में हुए कथित बड़े वित्तीय लेनदेन को लेकर है।

उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार आयकर अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि इन संपत्तियों की खरीद के लिए धन कहां से आया और जमीन का वास्तविक स्वामित्व किसका है। फिलहाल इन संपत्तियों को बेनामी साबित करने वाली अंतिम

रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब मनीष गोयनका का नाम क्षेत्र के एक अन्य कारोबारी विवाद से भी जुड़ा रहा है। दूसरी रिपोर्ट के अनुसार उनके भाई महेंद्र गोयनका की गिरफ्तारी एक कथित बड़े वित्तीय धोखाधड़ी मामले में हुई है और इसी कनेक्शन को लेकर आयकर विभाग की पूछताछ की बात सामने आई है।

कांग्रेस छोड़ने वालों का हश्र देखिए, भाजपा में भी नहीं मिली जगह: पटवारी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए नेताओं को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जो नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, उनमें से कई आज वहां हाशिए पर हैं। पटवारी ने कार्यकर्ताओं से

कहा कि वे ऐसे उदाहरणों से सबक लें और संगठन को मजबूत करने पर ध्यान दें। अंतिम सत्र में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश संगठन प्रभारी हरीश चौधरी ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की दिशा और आगामी रणनीति पर चर्चा की। इस दौरान कार्यकर्ताओं को पांच सूत्र दिए गए—संपर्क, संवाद, समन्वय, सामंजस्य और सकारात्मक सोच।



बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच लगातार संपर्क जरूरी है। जनता के मुद्दों को लेकर संवाद बढ़ाने तथा संगठन के विभिन्न स्तरों के बीच बेहतर समन्वय बनाने की बात भी कही गई। पटवारी का संदेश साफ था कि राजनीतिक परिस्थितियां बदलती रहती हैं, लेकिन संगठन के प्रति निष्ठा और

कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही पार्टी की वास्तविक ताकत है। भाजपा में गए नेताओं पर टिप्पणी के जरिए उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और उन्हें पार्टी के साथ मजबूती से जुड़े रहने का संदेश दिया।

अब देखना होगा कि बैठक में तय किए गए पांच सूत्र कांग्रेस को संगठनात्मक स्तर पर कितना सक्रिय और प्रभावी बना पाते हैं।

एनीमिया मुक्त भारत में 90 करोड़ का सवाल

गुजरात में 2, एमपी में 10.52 में हीमोग्लोबिन मीटर!

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मध्य प्रदेश में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत हीमोग्लोबिन की जांच के लिए उपकरणों की खरीदी को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। प्रदेश में 27,052 हीमोग्लोबिन मीटर और क्यूबेट की खरीदी के लिए करीब 90.01 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया था। सवाल उठने के बाद विभाग को यह टेंडर रद्द करना पड़ा। सबसे चौंकाने वाली बात उपकरण की दर को लेकर सामने आ रही है।

आरोप है कि जहां गुजरात में इसी तरह के उपकरण की दर करीब 2 रुपये बताई जा रही है, वहीं मध्य प्रदेश में प्रति जांच 10.52 रुपये की दर प्रस्तावित की गई। यदि दरों की तुलना सही है तो यह अंतर केवल खरीद का मामला नहीं,

बल्कि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। 27 हजार से अधिक उपकरणों की खरीद और 90 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब सरकार एनीमिया मुक्त भारत अभियान को प्राथमिकता देने का दावा करती है। सवाल यह है कि इतनी बड़ी राशि वाली खरीदी में दरों का तुलनात्मक परीक्षण पहले क्यों नहीं किया गया? टेंडर रद्द होना अपने आप में कई सवाल छोड़ गया है।

अब जरूरी है कि सरकार पूरी प्रक्रिया की जांच कराए, बाजार दर और दूसरे राज्यों में हुई खरीदी का तुलनात्मक ब्योरा सार्वजनिक करे और यह बताए कि 90 करोड़ रुपये के टेंडर की जरूरत, दर और शर्तें किस आधार पर तय की गई थीं। जनता के पैसे से होने वाली स्वास्थ्य उपकरणों की खरीदी में यदि दरों में इतना बड़ा अंतर है, तो जवाबदेही तय होना जरूरी है।

ट्रैकिंग से गायब हुआ जहाज, फिर समंदर में समाया

ओडिशा तट से 240 समुद्री मील दूर हादसा, 24 सदस्य थे सवार; दो बचाए गए, 22 की तलाश जारी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

बंगाल की खाड़ी में पनामा के झंडे वाला मालवाहक जहाज एमवी ओशन विनर अचानक समुद्री निगरानी तंत्र से गायब हुआ और कुछ ही समय बाद उसके डूबने की खबर सामने आई। जहाज पर 24 सदस्य सवार थे। इनमें 20 चीनी, तीन म्यांमार और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। हादसे के बाद भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना ने बड़े पैमाने पर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया है। अब तक दो लोगों को जीवनरक्षक नौकाओं से बचाया गया है। जहाज ने 20 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे पारादीप बंदरगाह से सिंगापुर के लिए रवाना हुआ था। यह करीब 225 मीटर लंबा बल्क कैरियर था और इसमें ओडिशा से लदा लौह अयस्क था। जहाज को 27 अगस्त तक सिंगापुर पहुंचना था। लेकिन रास्ते में उससे संपर्क टूट गया। बाद में पता चला कि जहाज ओडिशा तट से करीब 240 समुद्री मील दूर डूब चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जहाज अचानक निगरानी तंत्र से गायब कैसे हुआ और



संपर्क टूटने के बाद इतनी जल्दी डूबने की नौबत क्यों आई? अभी तक अधिकारियों ने हादसे का निश्चित कारण नहीं बताया है। खराब मौसम, तकनीकी खराबी, जहाज की स्थिति और माल से जुड़े किसी संभावित कारण समेत कई पहलुओं की जांच की जरूरत होगी। भारतीय तटरक्षक बल ने खोज अभियान के लिए कई पोत लगाए हैं। समुद्र की खराब परिस्थितियां बचाव कार्य को चुनौती दे रही हैं। फिलहाल सबसे बड़ी चिंता उन 22 लोगों की है, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। हादसे की पूरी तस्वीर बचाव अभियान और जांच आगे बढ़ने के बाद ही साफ होगी।

मध्य प्रदेश में स्वाइन फ्लू की दस्तक इंदौर-उज्जैन में बढ़ी चिंता

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मध्य प्रदेश में बदलते मौसम के बीच स्वाइन फ्लू के मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। इंदौर और उज्जैन में कई मरीजों में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है।

अस्पतालों को संदिग्ध मरीजों की पहचान और आवश्यक जांच के निर्देश दिए गए हैं। इंदौर में एक निजी अस्पताल में भर्ती 62 वर्षीय महिला की जांच रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। बताया जा रहा है कि महिला की हालत फिलहाल स्थिर है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। उज्जैन में भी स्वाइन फ्लू के मरीज



सामने आने के बाद स्वास्थ्य अमला सक्रिय हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार मौसम में बदलाव के दौरान सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षणों को सामान्य वायरल संक्रमण मानकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। खासतौर पर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों

में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतने, खांसते या छींकते समय मुंह ढकने और लगातार बुखार, खांसी या सांस लेने में परेशानी होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।

MP बोर्ड की फीस वृद्धि पर राजनीति: कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने उठाए सवाल, आदेश वापस लेने की मांग

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (MP Board) द्वारा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं समेत विभिन्न शुल्कों में की गई बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक जयवर्धन सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस निर्णय पर कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रदेश सरकार से बढ़ाए गए शुल्क को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

जयवर्धन सिंह ने बोर्ड द्वारा लागू की गई नई दरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस फैसले से आम जनता पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। दरों में किए गए मुख्य बदलाव इस प्रकार हैं। परीक्षा शुल्क: 1,200 से बढ़ाकर

1,500 किया गया। नामांकन शुल्क: 350 से बढ़ाकर 500 किया गया। अन्य शुल्क: परीक्षा केंद्र परिवर्तन और अंकसूची (Mark sheet) की प्रतिलिपि जारी करने जैसे कई अन्य प्रशासनिक शुल्कों में भी बढ़ोतरी की गई है। विरोध दर्ज कराते हुए जयवर्धन सिंह ने कहा कि शिक्षा राजस्व बढ़ाने या फीस वसूली का माध्यम नहीं होनी चाहिए। परीक्षा और नामांकन शुल्क में इजाफा करने के बजाय इसे न्यूनतम स्तर पर रखा जाना चाहिए, ताकि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों की पढ़ाई पर इसका बुरा असर न पड़े। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा मंडल से इस आदेश को जनहित में तुरंत निरस्त करने की अपील की है।